विचित्रोपदेश ॥

जिसमें

सुन्दर २ सामयिक कवित्त सवैया व षट्-
पदादि प्राचीन व वर्त्तमान कवियों
के संग्रह किये गये हैं ॥

वही

सम्पूर्ण चातुर्य पुरुषों के अवलोकनार्थ

तीसरी बार

लखनऊ

सुपरिंटेंडेंट बाबू मनोहरलाल भार्गव बी.ए., के प्रबन्ध से

मुंशी नवलकिशोर सी. आई. ई., के छापेखाने में

छपा-सन् १९१३ ई० ॥



विचित्रोपदेश ॥

दो० करमकालकेवशनिरखि, जगके विविधचरित्र ।
करिप्रणाम प्रभुको करों, संग्रहचित्रविचित्र ॥१॥

क० कूरभयेकुवँरमज़ूरभये मालकार, शूरभयेगुपतअशूरभयेजबरे । दाताभयेकृपणऔदाताकहैंदाताहम, धनीभयेनिधननिधनभयेगबरे ॥ सांचनकीबातनापत्यातकोऊजगमांझ, राजदरबारनबुलैयेलोगलबरे । भनतप्रवीनऔबलीनभईहिम्मतिसो, कलियुगअदलबदलडारेसिगरे १ ॥ सवैया ॥ खायकेपानबिदारतओठहैं बैठिसभामेंबनेअलबेला । धोतीकिनारीकीसारीसीओढ़तपेटबढ़ायकियेजसथेला ॥ बंशगुपाल

बखानिकहैंसुनोभूपकहायबनेफिरिछेला । शान
करैंबड़ीसाहिबीकी अरुदानमेंदेतनाएकऊधेला
२ ॥ कवित्त ॥ बारीऔखँगारनाऊधीमरकुहाँर
काछी, खटिकदसौंधीयेहजूरकोसुहातहैं । कोल
गोड़गूजरअहीरतेलीनीचसबै, पासकेरहेतेमहा
ऊंचेभयेजातहैं ॥ बुधसेनराजनकेनिकटहमेश
बसैं, कूकरबिलारकहागुणअधिकातहैं । दूरि
हीगयन्दबांधेदूरिगुणवानठाढ़े, गजऔगुणीको
कहामोलघटिजातहैं ३ ॥ छप्पय ॥ मरैसूमसर
दारमरैवहकट्टरटट्टू । मरैहठीलीनारिमरैवह
पुरुषनिखट्टू ॥ ब्राह्मणसोमरिजायहाथलैमदि
राप्यावै । पूतवहीमरिजायजुकुलमेंदागलगावै॥
बेनियावराजामरैनींदधड़ाधरसोइये । बैताल
कहैबिक्रमसुनोएतेमरेनरोइये ४ सरसरहंस न
होतबाजगजराज न घरघर । तरुतरुसुफर न
होतनारिपतिव्रता न घरघर ॥ तनतनसुमति न

होतमलैगिरिहोत न बनबन। फनफनमणिनहिं होतमुक्तजलहोत न घनघन ॥ रनरनशूर न होतहैंजनजनहोत न भक्तिहरि। नरहरिनिरखि कवित्तकहिसबनरहोत न एकसरि ५॥ कवित्त ॥ एरेगुनीगुनपाइचातुरीनिपुनपाइ, कीजियेनमैलीमैंनकाहूजोकछूकरी। बीरनबिरानेद्वारगये कोयहीसुभाव, मनअपमानकाहूरेकरीकिजूकरी ॥ कूरऔकबिन्दचलेजातहैंसभाकेमध्य, तोसोतौ हटकिदेवीदासपलटूकरी। दरवाजेगज ठाढ़ेकुकरीसभाकेमध्य, कूकरीसोंकूकरीऔतूकरीसोंतूकरी ६ ॥ छप्पय ॥ शशिकलंकरावणबिरोधहनुमत्तसोबनचर। कामधेनुसोपशूजाय चिन्तामणिपत्थर ॥ अतिरूपातियबांभगुणीको निरधनकहिये। अतिसमुद्रसोखारिकमलबिच कंटकलहिये॥ जैजुब्यासखेवट्टनीदुर्वासाआसन डिग्यो। कबिगीधकहैसुनुरेगुणीकोउनकृष्णनि

मैलरच्यो ७ ॥ कवित्त ॥ दानबिनदरवनिदान ठहरानकौन, ज्ञानबिनयशअपयशकरिकरिगे । कविरायसंतनिसुभायसुने सूमनके, धरमबिही नधनधराधरिधरिगे ॥ कामआयेकाहूकेनदाम दुहूंदीननके, धामगाड़ेगाड़ेसबगथगरिगरिगे । बोरिबोरिबिरदबड़ाईबेशहूरकेते, जोरिजोरिकृप णकरोरिमरिमरिगे ८ गुणकोनपूछैकोऊऔगुण कीबातपूछै, कहाभयोदईकलियुगयोखरानोहै । पोथीऔपुराणज्ञानठट्टनमेंडारदेत, चुगलचवा इनकोमानठहरानोहै ॥ कादरकहतजासों कछु कहिबेकी नाहिं, जगत की रीतिदेखिचुपमनमा नोहै । खोलि देखो हियो सबभांतिनसोंभांति भोयि, गुणनाहेरानोगुणगाहकहेरानोहै ९ दे खतकेनीकेपरिणामबहुआदरके, देखतभलाई सदाजीवमेंजरेरहैं । भेदभेदपूछेमूंछेटेवतनआवे लाज, पापकेसमूहसिन्धु आंखिनअरेरहैं ॥

कादरकहतजेनटीनकेतलाशिबेको, हाटबाटहू मेंदरबारमेंखरेरहैं। निन्दाकोजुनेमजिन्हें चुगलीअधारपर, स्वारथमिटाइबेकीखोजहीपरेरहैं १० सूरताईआंधरेमेंदृढ़ताईपाहनमें, नासिकाचनानिमध्यनौनरहीहाटमें। धर्मरहोपोथिनबड़ाईरहीवृक्षनबंधेगपरापातिनमें पानीरह्योघाट में॥ यहकलिकालनेबिहालकियोसबजग, नायकसुकविकैसीबनीहैकुठाटमें। रजरहीपन्थनरजाईरहीशीतकाल, राईरहीराईतेरनाईरहीभाट में ११ भोजभनैएतेहोत हलकेहरामजादे, होशहीनहीजनसौंहर्गिजहितैयेना। कलहीकलंकीकूरकृपणकुनामीकाक, कपटीकुकर्मीक्रोधीकिंचितहितैयेना॥ चूतियाचवाईचोर चंचलचलांकचित्त, चोपचोपचखतिनतरफचितैयेना। बदीबदराहीबदनामी बदकौलबद, बेदरद बेदिलसोंबातहूबतैयेना १२ जैसेफलभरेकोबिहंग

छांड़िदेत रूख, भुवा देखि सुवा छोड़े सेमरके डारको । सुमनसुगन्धबिनजैसेअलिछोड़देत, मोतीनरछोड़देतबिनाआबदारको ॥ जैसेसूखेता लकोकुरंगछोड़देतमग, शिवदासचितफाटेछोड़ देतयारको । जैसेचक्रवाकदेशछोड़देतपावसमें, तैसेकविछोड़देत ठाकुरलबारको १३ दातातेदु नीमेंसूमकाजेजानियतइमि, कायरकोजानियेस मरमाहँशूरते । पापीतेप्रकटपुण्यजानियेदुखीते सुखी, निधनीकोजानियेसुधनीधनकूरते ॥ भा खतसकलजानेभूपतेभिखारीचोर, साहुतेपिछा नेऔचतुरचित्तकूरते । रातदिनसूरतेयोंकंचन कचूरनर, जान्योजातयाविधिशहूरबेशहूरते १४ राजारावराजेबादशाहजेजहानजाने, हुकुमनमा नहुकुमनतरआनेहैं । शूरबीरसंगनमेंसुघरप्रसं गनमेंरीतिरसरंगनमेंअतिहीबखानेहैं ॥ श्याम लालसुकबिजहानमेंनतोसेभूप, खोजिहारेपात

पातआजकेजमाने हैं। हममरदानेजानिबिरदब
खानेपर, द्वारेचोपदारकहैसाहिबजनानेहैं १५
मायाकेनिशानजेनिशान अपकीरतिके, जानत
जहानकहूंकहूंऊसरनसों। कुंजसीकुराहीअंगऐ
बीगुमराहीगुनी, देखिअनखायपगेपापकेकुरन
सों ॥ हरजूसुकविकहैबचनअमोलनके, जात
कुरबातनबसातिअसुरनसों । मांगतइनामकर
तारपैपुकारिकहौं, परैजनिकामऐसेसूमससुरन
सों १६ गुनबिनधनुजैसेगुरुबिनज्ञानजैसे, मान
बिनदानजैसेजलबिनसरहै। कण्ठबिनगीतजैसे
हितबिनप्रीतजैसे, वेश्यारसरीतजैसे फलबिन
तरहै ॥ तारबिनजन्त्रजैसेस्यानेबिनमन्त्रजैसे,
पुर्षबिननारिजैसेपुत्रबिनघरहै। टोड़रसुकबिजैसे
मनमेंबिचारिदेखो, धर्मबिनधनजैसेपक्षीबिनपर
है १७चन्दबिनरजनीसरोजबिनसरवर, तेजबिन
तुरँगमतंगबिनमदको । बिनसुतसदननितम्बि

नीसुपतिबिन, बिनधनधरमनृपतिबिनपदको ॥
बिनहरिभजनजगतसोहैजनकौन, नौनबिनभो
जनबिटपबिनछदको । प्राणनाथसरससभान
सोहैकबिबिन, विद्याबिनबातनानगरबिननद
को १८ विद्याबिनद्विजऔबगैचाबिनआमनको,
पानीबिनसावनसुहावननजानीहै । राजाबिनरा
जकाजराजनीतिशोचेबिन, पुण्यकीबसीठीक
होकैसेधौंबखानीहै ॥ कहैजयदेवबिनाहितकोहि
तूहैजैसे, साधबिनसंगतिकलङ्ककीनिशानीहै ।
पानीबिनसरजैसेदानबिनकरजैसे, शीलबिनन
रजैसेमोतीबिनपानीहै १६ ॥ छप्पय ॥ तजहुज
गतबिनभवनभवनतजितियबिनकीनी । तिय
तजिजनसुखदेयसुक्खतजिसम्पतिहीनी॥ सम्प
तितजिबिनदानदानतजिजहँनबिप्रमति । बि
प्रतजहुबिनधर्मधर्मतज्जियबिनभूपति ॥ तजि
भूपभूमि बिन भूमितजि दीहदुर्ग्गबिनजोबसै ।

तजिदुर्ग्गसुकेशवदासकबि जहांनजलपूरणाल
सै २० ॥ कवित्त ॥ शामिलमैंपीरमैंशरीरमैंनभेदरा
खैं, हिम्मतिकपटकोउघारेतोउघरिजाय । ऐसो
ठानठानेतोबिनाहूयन्त्रमन्त्रकिये, सांपकेजहरको
उतारेतोउतरिजाय ॥ ठाकुरकहतकछूकठिनन
जानोअब, हिम्मतिकियेतेकहोकहानसुधरिजा
य । चारिजनेचारिहूदिशातेचारोकोनगहि, मे
रुकोहलायकैउखारैंतोउखरिजाय २१ बैरप्रीति
करिबेकीमनमैंनराखैंशंक, राजारंकदेखिकैनछा
तीधकधाकरी । आपनीउमंगकीनिवाहिबेकी
चाहजिन्हैं, एकसोदिखात तिन्हैंबाघऔरबाक
री ॥ ठाकुरकहतमैंबिचारिकैबिचारदेख्यो, यहै
मरदाननकीटेकबातआकरी । गहीतौनगही
जौन छोड़ी तौनछोड़दई, करीतौन करीबातना
करीसोनाकरी २२ नटकोनधामनानपुंसककोका
मनाहिं, ऋणीकोअरामबामबेश्यानासहेल

री। जुवाकोनशोचमाससहारीकोनदयाहोत, कामीकोननातोगोतछायानसहेलरी ॥ देवीदास बसुधामेंवणिक न सुनोसाधु, कूकर को धीरजन मायाहैसहेलरी। चोरकोनयारबटपारकोनप्रीतिहोत, लाबरनमीतहोत सौतिनासहेलरी २३
जारकोबिचारकहागणिकाकोलाजकहा, गदहाकोपानकहाआंधरेकोआरसी। निर्गुणीकोगुणकहादानकहा दारिदीको, सेवाकहासूमकीअरण्डकीसीडारसी॥ मदपीकोशुचाकहासांचकहालंपटीको, नीचकोबचनकहाश्यारकीपुकारसी। टोड़रसुकबिऐसेहठते न टारेटरैं, भावेकहौसूधीबात भावैकहौफारसी २४ कंजबनमानिमूनहंसजनआयफिरैं, गन्धबनभृङ्गनको भङ्गकरिडारेतें। पाकेफलजानिशुकपुंजपछितानेआय, पायकेबसन्तबातबृथापातडारेतें ॥ दूरितेंबिलोकिअरुणाईअतिफूलनकी, आमिषअधारगीधवा

यसबिड़ारे तें । ऐरे तरुसेमरकेसिफततिहारी कहा, आशदियेपक्षिननिराशकरिडारेतें २५ ॥ छप्पय ॥ समैमेघबरषंतसमैशिरहोइसबैफल। तरुनापानीसमैसमैईजातिदेइबल ॥ समैसिद्ध हूमिलैसमैपण्डितहूचूकै। समैप्रीतिचितघटैस मैसरवरहूसूकै ॥ कोउद्वारजुआवैसमैसिर समै पायगिरवरहिंगिर। गोबिन्दअटलकबिनन्दक हिजोकीजैसोसमैसिर २६ ॥ सवैया ॥ बिनभेदन भेदनजानेकछू मतिकीअनुसारलहीसोलही। नहिंवेदपुराणकीरीतिकछू अनरीतिकीटेवगही सोगही ॥ समुझायेनहींसमुझैगुरुकेगुरुकीअ पमानलहीसोलही। यहतामसज्ञानअनन्यभनै पुनिमूरखगांठिगहीसोगही २७॥ दोहा॥ दुष्टन छांड़ेदुष्टता,सज्जनतजैनहेत। कज्जलतजैनश्या मता, मोतीतजैनसेत २८ गुणमेंऔगुणखोज हीं, हियेनसमुझैंनीच। ज्योंजूहीकेखेतमें,शूकर

खोजतकीच २९ अगरदुष्टजेजीवहैं, शिरतजि अपयशलेहिं। सनतनखालकढ़ायके, परतरब न्धनदेहिं ३० सज्जनऐसोचाहिये, जैसोआकोदु द्ध। औगुणऊपरगुणकरै, तोजानोकुलशुद्ध ३१॥ सवैया ॥ बैदकोबैदगुणीकोगुणीठगकोठगठूम ककोमनभावै। कागकोकाग मरालमरालको कां धगधाकोगधाखजुलावै ॥ कृष्णभनैबुधकोबुध त्यों अरुरागीकोरागीमिलैसुरगावै। ज्ञानीसो ज्ञानीकरैचरचा लबराकेढिगालबरासुखपावै ३२ बन्धुबिरोधकरोसिगरो झगरोनितहोत सुधारस चाटत। मित्रकरैकरनीरिपुकी धरनीधरदेखिन न्यावानिपाटत॥ रामकहैबिषहोतसुधा घरनारि सतीपतिसोंचितफाटत। भाविधनाप्रतिकूलजबै तबऊंटचढ़ेपरकूकुरकाटत ३३ पायँविहीनकेपा यँपैलोट्योअकेलह्वैजायघनेबनरोयो। आरसी आंधरेआगेधरयो बहिरेसोंमतोकरिउत्तरजोयो॥

ऊसरमेंबरस्योबहुबारि पषाणकेऊपरपङ्कजबो
यो। दासवृथाजिनसाहबसूमकी सेवनमेंअपनो
दिनखोयो ३४ भूलिनदानकरैदमरी रणमेंनक
बूँकिरपानचलाइसं। पोतगनायधरैघरमेंकरैभ्रू
ठीसोपांचनमेंफरमाइस॥ बातैंबनायकैनोनीनई
जिनयाचककोजियराभरमाइस। रामकहैनरहै
चिरचौकस चीकनेठाकुरकीठकुराइस ३५ पीन
सवारीप्रबीनमिलैं तौ कहांलोंसुगन्धीसुगन्धसुं
घावै। कायरकोपिचढ़ैरणमेंतौ कहांलगिचारण
चावबढ़ावै॥ जैसेगुणीकोमिलैनिगुणी तो पुखी
कहैक्योंकरताहिरिझावै। जैसेनपुंसकनाहमिलै
तोकहांलगिनारिश्रृँगारबनावै ३६ धोईसीचून
रीरूईसीकंचुकीतैसेसिंधोरासेनूरनचोखा। धौं
कबकालहँगाधराभावन पायोपराकहुँताजभरो
खा॥ चूरीपरैकरतेसरकी तरकीचरकीसबबात
मेंधोखा। नेगीकहैंहमआजुलख्योयहसूमयती

मचढ़ावअनोखा ३७ ॥ कवित्त ॥ पढ़ननदेतहैं कवित्तबाजेभावनको, बाजेचुपचापसुनिनीबिसी अचैरहैं । बाजेदशग्रीशगूढ़पूछिदशकूटनको, मूढ़शतसाखिनकीचरचामचैरहैं ॥ बाजेअफसो सकरैंबाजेराहरोसधरैं, बाजेदेभरोसदरबारमेंन चैरहैं । बाजेसूमसूकादेतपाथरलगायछाती, बा जेसूमसाहिबसुपारीसीअचैरहैं ३८ ह्वैकेमहारा जहयहाथीपैचढ़ेतोकहा, जोपैबाहुबलनिजप्रज निरखायोना । पढ़िपढ़िपण्डितप्रबीणहुभयेतो कहा, बिनयबिबेकयुतजोपैज्ञानगायोना ॥ अम्बु जकहतधनधनिकभयोतोकहा, दानकरिजोपैनि जहाथयशछायोना।गरजिगरजिघनघोरनिकियो तोकहा, चातककेचोंचमेंजुरंचनीरनायोना ३९॥ छप्पय ॥ जिहिमुच्छनधरिहाथकछूजगसुयशन लीनो । जिहिमुच्छनधरिहाथकछूपरकाजनकी नो ॥ जिहिमच्छनधरिहाथकछूपरपारनजानी ।

जिहिमुच्छनधरिहाथ दीनलखिदयानआनी ॥
मुच्छनाहिंवेपुच्छसम कबिभरमीउरआनिये ।
नहिंबचनलाजनहिंदानखगतिहिमुखमुच्छनजा
निये ४० जीभियोगअरुभोगजीभिसबरोगबढ़ा
वै । जीभिकरैउद्योगजीभिलैकैदकरावै ॥ जीभि
स्वर्गलैजायजीभिसबनर्कदिखावै । जीभिमिला
वैरामजीभिसबदेहधरावै ॥ जीभिओठएकत्रक
रिबांटासिहारेतोलिये । बैतालकहैबिक्रमसुनोजी
भिसंभारेबोलिये ४१ टकाकरैकुलहूलटकामिर
दंगबजावै । टकाचढ़ैसुखपालटकाशिरछत्रधरा
वै ॥ टकामाइअरुबापटकाभाइनकोभैया । टका
सासुअरुससुरटकाशिरलाड़लड़ैया ॥ एकटका
बिनटुकटुकाहोतरातअरुरातादिन । बैतालकहै
बिक्रमसुनोधिकजीवनइकटकेबिन ४२ ॥ कवित्त ॥
तेलनीकोतिलकोजमेरकोफुलेलनीको, साहिब
ददेलनीकोसैलनीकोचन्दको । बिद्याकोबिवाद

नीकोरामगुणनादनीको, कोमलमधुरसदास्वाद
नीकोकन्दको ॥ गऊनवनीतनीकोजेठहूकोशीत
नीको, श्रीपतिजूमीतनीको बिनाफरफन्दको ।
जातरूपघटनीकोरेशमकोपटनीको, बंशीबटतट
नीकोनटनीकोनन्दको ४३ चोरीनीकीचोरकीसु
कबिकीलबारीनीकी, गारीनीकीलागतीससुरपु
रधामकी । नाहींनीकीमानकीसयानकीजबान
नीकी,ताननीकीतिरछीकमाननीकीकामकी ॥
तातन्हकीजीतनीकी निगमप्रतीतनीकी, श्रीप
तिजूप्रीतिनीकीलागेहरिनामकी । रेवानीकीबा
नखेतमुदरीसुठेवानीकी, मेवानीकीकाबुलकीसे
वानीकीरामकी ४४ तालफीकोअजलकमलबि
नजलफीको,कहतसकलकबिहबिफीकोरूमको।
बिनगुणरूपफीकोऊसरकोकूपफीको, परमअनू
पभूपफीकोबिनभूमको ॥ श्रीपतिसुकबिमहाबेग
बिनतुरीफीको, जानतजहानसदाजोहफीकोधू

मको। मेहफीकोफागुनअबालककोगेहफीको, ने
हफीकोतियकोसनेहफीकोसूमको ४५ सारसके
नादनकोबादनासुनतकहूं, नाहकहीबकबाददा
दुरमहाकरै। श्रीपतिसुकबिजहांश्रोजनासरोज
नकी, फूलनाफजूलजाहिचित्तदैचहाकरै॥ बक
नकीबानीकीबिराजतिहैराजधानी, काईसोकलि
तपानीहेरतहहाकरै। घोंघनकेजालजामेंनरईसे
बारब्याल,ऐसेपापीतालकोमराललैकहाकरै४६
खातहैंहरामदामकरतहरामकाम, धामधामति
नहींकेअपयशछावैंगे। दोजकमेंजैहैंतबकाटिका
टिकीराखैहैं, खापरीकोगूदकागटोंटनिउड़ावैंगे॥
कहैकरनेशअबघुस्सनितेबाजितजे, रोजाऔनि
माजअन्तयमकाढ़िलावैंगे। कबिनकेमामिलेमेंक
रैजौनखामीतौन, निमकहरामीमरेकफननपावैं
गे ४७ चूकजातजौहरीजवाहिरपरखजाने, चूक
जातपण्डितपढ़ैयावेदचारीके। चूकजातघोड़ेको

चढ़ैयाअसवारपूरो, चूकजातबाजेरोजगाररोजगारीके॥ चूकजातमेघमेघराजनकीबातहूमें, लेखीचूकजातयालिखैयालेखधारीके। बानकिरपानकोघलैयापूरोचूकजात, एकनहींचूकेहैंचुगुलचूतमारीके ४८ बाबूदेतसैकरोंकरोरोंबादशाहदेत, लाखोंदेतराजारावहाथीघोड़ासँड़िया। साहुदेतसत्तरपचासज़मींदारदेत, तीसदेतफौजदारबीसदेतबँड़िया॥ चौदेदेतचौधरीसवाईसातसूमदेत, पांचदेतकानागोयचारदेतडँड़िया। तीनदेततेलीसुतमोलीहमैं एकदेत, अधमअधेलीदेतसूकादेतगँड़िया ४९ जामेंदुअधेलीचारपावलीदुअन्नीआठ, तामेंपुनिआनलखोसोरहसमातहै। बत्तिसअधन्नीजामेंचवसठपइसाहोत, एकसोअठाइससुधेलागुनमातहै॥ युगशतछप्पनछदामतामेंदेखियत, दमरीसुपांचशतबारहलखातहै। कठिनसमैयाकलिकालकोकुटिलदैया, सगलरुपै

याभैयाकापैदियोजातहै ५० पण्डितनकाजेसी खेभागवतज्ञानगीता, श्रोताहेतसीखेसारबेदन कोबांचिबो। कबिनकेकाजेसीखेपिंगलपुरानछ न्द, दोहागाहचौपईकबित्तनकोसांचिबो॥ कलां वतकाजेरागमाझीसबसीखलीने, आपमुखगा वैंरागरागिनीनरांचिबो। देबेकाजेमहासूमइतने कसबजाने, कसररहीहैइकताताथेईनाचिबो ५१ दोहराकबित्तबैतगजलसुनावैकोय, छन्दहूसुनावै ताहिदेतनपसमहै। पाहुनीजोआवैंताहिपानि हूनदेतसब, जानतजहानयहकुलकीरसमहै॥ मोहररुपैयाकहोकौड़ीकोचलावैकौन, बाहिरन जानपावैभवनकीभसमहै। लेइबेकोहोयतो हजारोंपरहाथउड़े, बाजेबाजेलोगनकोदेबेकोक समहै ५२ देखतकेद्रूमनमेंदीरघसुभायमान, कीरफलचाखिबेकोताकोमनठग्योहै। लालफल देखिकेजटानमड़रानलागे, देखतबटोहीबहुतेरे

डगमग्योहै ॥ गंगकहैफलफूटेभुवाउधरानलागे, सबननिराशह्वैकेनिजगृहभग्योहै। ऐसोफलही नवृक्षभयोबसुधामेंयारो, सेमरअभागाबहुतेरन कोठग्योहै ५३ कबिकोनमानेश्रौनज्ञानगुरुलो गनको, हरिकीनभक्तिहैनदाननभिखारीमें। मा नेश्रहमेवहमश्रायनरदेवमेरी, करैसत्रसेवऐसे भूले डौलभारीमें ॥ कहै युगराज महाधर्मकोन काजकछू, बैठकेसमाजबातकहैऐंड़दारीमें। रा जीनसिपाह श्रौर जंगकी उमाहजहां, यशकीन चाहऐसीथूकसरदारीमें ५४ कौनकाजभौंरनको कमलबुलावतहैं, कौनकाजबृक्षनपखेरूमड़रात हैं। चन्द्रमाकीचिट्ठीकहूंगईहैचकोरनको, मेघ कीगराजतेमयूरहरषातहैं ॥ श्राजलोंसरोवरको हंसनाबुलायोकहूं, दौर २ फेर २ योहींकुंररात हैं। बूझि देखी गुणीजन पण्डितप्रवीणलोग, जहांभावदेखतहांश्रापहीसोजातहैं ५५ चन्द्रमा

पैदावाजिमिकरतचकोरगन, घननपैदावाकैम-
यूरहरषातहैं। भानपरदावाकरबिकसतकंजपुंज,
स्वातीबुन्ददावाकरचातकचचातहैं॥ सुकबिनि
हालजैसेकरीकेकपोलनपै, अलिनअवलिकरि
नितमड़रातहैं। ऐसेमहराजनपैदावाकबिराज
नको, धूतनकेद्वारेकहूंमूतननजातहैं ५६ सा
हूभयेसूमड़ासुबादशाहहीनहद्द, खग्गेखगरंटन
खुसालाबेंचखाईहै। भोलेभयेभूपतिकनौड़ेधनी
वंतसब, मूरखमहन्तअन्धदेतनादिखाईहै॥ का
यथकपूतभयेकूररजपूतधूत, बनियांबरूथपेखि
पुंजपछताईहै। काकेढिगजाईकाहिकबितसुना
ईभाई, अबकविताईरहीफजिहतिताईहै ५७
ऐसे २ दानीपूरेप्रकटभेकलिबीच, देवेंनादिवावें
आपपायाकरेंनोसहैं। नेंनासुनावेंदुखदीनताकी
बातकछू, निपटअजानह्वैकेबैठतखमोसहैं॥ क
हतनचींजचींजसेत २ एकसार, देखेंनादिखावें

आपआंखेंनाहिंगोसहैं। सैलनकोचलैंतबगढ़ही
तेशोरहोत, बचो२ हटो२ फीकीपोस २ हैं ५८॥
सवैया ॥ आंधरेकोप्रतिबिम्बकहा बहिरेकोकहा
सुररागकोताने । आदीकेस्वादकहाकपिको पर
नीचकहाउपकारकोमाने॥ भेड़कहालेकरैबुकवा
हरवाहजवाहिरकापहिचाने । जानेकहाहिजरा
रतिकीगति आखरकीगतिकाखरजाने ५९ ॥
कवित्त ॥ परिडतकविन्दनकीबूझहैनकूरनके,
कथककलांवताफिरततानगानेको । कहतउदेस
देखिसमरसपूतनको, घोड़ेकेचढ़ैयनकोचनान
चबानेको ॥ आदरसोंलेतताहिजौनवाहियातब
कै, छोड़िकेपुराणवेदधरमकेबानेको । जुरिके
गवांरगट्टावैठचवहट्टादेत, आल्हाकेगवैयाको
रुपैयारोजखानेको ६० ॥ सवैया ॥ चरचाकुट
नीनकीनीकीलगै भडुआनकीखातिरताजीरहैं।
रँड़ियानकीलागैंभलीबतियां गँड़ियानकीत्यों

सिरताजीरहैं ॥ नहींजातहैबातगुनीकीसुनीकबि
कोबिदतेइतराजीरहैं । निशिबासरपासजोपाजी
रहैंतौमहीपयाकालकेराजीरहैं ६१ ॥ कवित्त ॥
पायेकामदारी फूटजाततैनचारी पर, जाततोंद
भारीकहैअमलीसोआम हैं । लौंड़िया पियारी
छोड़देतनिजनारीकरै, मंगनसोरारीतहां खोवें
खरेदामहैं ॥ नीचहितकारी बिनालाभबैरवारी
राज, काजके बिगारीनिशिदिन आठोयामहैं ।
सबहीसोरारीकबिहूसोदवादारी ऐसो, निपटन
कामकामदारनकेकामहैं ६२ मेधाहोतफूहरक
लपतरुथूहरपरमहंसचूहरकीहोतपरिपाटीको ।
भूपतिमँगैयाहोतठांठकामगैयाहोत, गैवरचुआ
तमदचेरोहोतचाटीको ॥ कहैशिवनाथकवि पु
एयकीन्हेपापहोत, बैरीनिजबापहोतसांपहोत
साटीको । स्यारसुतशेरहोतनिधनकुबेरहोत,
दिननकोफेरहोतमेरहोतमाटीको ६३ सांख्यो

धनधामसबकामकेसुधारिबेको, सीख्योअभिरा
मबामराखतहज़ूरमें । सीख्योसरजामगढ़कोट
कोगिरायबेको, सीख्योशमशेरबांधिकाटिअरि
ऊरमें ॥ सीख्योकुलयन्त्रमन्त्रतन्त्रहुकीबातसी
ख्यो, पिंगलपुराणसीख्योबह्योजातकूरमें । कहै
कृपारामसबसीखबोनिकामएक, बोलिबोनसी
ख्योसबसीख्योगयोधूरमें ६४ फूटगयेहीराकीबि
कानीकनीहाटहाट, काहूघाटमोलकाहूबाढ़मो
लकोलयो । टूटिगईलङ्काफूटिमिल्योजोबिभीष
णहै, रावणसमेतबंशआसमानकोगयो ॥ कहै
कबिगंगदुरयाधनसेछत्रधारी, तनककेफूटेतेगु
मानवाकोनैगयो । फूटेतेनरदउठिजातबाजीचौ
परकी, आपुसकेफूटेकहोकौनकोभलोभयो ६५
दानीकोउनाहिंनगुलाबदानीपीकदानी, गोंददा
नीघनीशोभाइनहींमेंलहेहैं । मानतगुणीकोगु
णहीमेंप्रगटतदेखो, यातेगुणीजनमनसावधानी

गहेहैं॥ हयदानहेमदानगजदानभूमिदान, सु
कबिसुनायेऔपुराणनमेंकहेहैं। अबतोकमलदा
नजुजदानजामदानखानदानपानदान कहिबेको
रहेहैं ६६ पौरकेकिवारदेतघरेसबैगारिदेत, साधु
नकोदोषदेतप्रीतिनाचहततैहैं। मांगनेकोज्वाबदे
तबातकहेरोयदेत, लेतदेतभांजिदेतऐसेनिबह
तैहैं॥ बागेहूकेबन्ददेतबारनकीगांठदेत, पर्दन
कीकाछदेतकाममेंरहततैहैं। एतेपैसबैईकहैंलाला
कछूदेतनाहीं, लालाजूतोआठोयामदेतईरहत
हैं ६७ एरीमेरीबीरकंतकौनकेकमानजाहि, रा
जनकीमतिपैनचलतउपाउरी। तनद्युतिछीनभ
ईमनुवांमलीनभयो, मनसाविकलकलकरतन
बाउरी॥ ठाकुरकहतयाजहानपैजरबफैली, भई
मतिमैलीकछूयतनबताउरी। खैबेकाजेसौंहरा
खीकीबेकाजेपापराखी, लीबेकाजेअपयशदीबे
काजेलाउरी ६८ जोपैइनद्रोहिनकोदौलतनहो

तीतौसु, पन्थिनकेपायँयहांभूलिहूनपरते । भा
गवानभागनकेजानकेअधीनहोत, कापैयेकमी
नेकलाकोटिनबिचरते ॥ ठाकुरकहतगुणगान
कोबिवादकर, आपनीसभामेंबैठिकौनकोनिदर
ते । हायतोसुजाननकेउरजनहोतीतौ, अजान
येअभागेअभिमानकापैकरते ६९ मानेसनमाने
तेईमानेसनमानेसन, मानेसनमानैसनमानपाइ
यतुहै। कहैकबिदूलहअजानेअपमानेअप, मा
नसोसदनतिनहींकोछाइयतुहै ॥ जानतहैंजेऊते
ऊजातहैंबिरानेद्वार, जानबूझभूलेतिनकोसुना
इयतुहै । कामबशपरेकोऊगहतगरूरतौ वा,
आपनीजरूरजाजरूरजाइयतुहै ७० कोरीवच
मारचिरीमारकोजुयारकर, प्यारकरसदनाश्वप
चमनभायेहैं । छिपियाकुहांरनाऊदाऊकेसुदामे
टेरो, गीधकेअगाऊहोकेजायगुनगायेहैं ॥ घा
सीरामराजीहोविदुरघरभाजीखाई, पाजीभिल

नीकेबेरजूठेमुँहलायेहैं। कहियेकहांलौंकलिका
लकेअंदेशेऐसे, नीचरंगीठाकुरठिकानेहोतआ
येहैं ७१ पृथुसेपृथीशासेप्रियव्रतसेपातुरको, भां
ड़नकोभोजसेहमेशामौजकैबेको। कुटनीकोकर
नकलांवतकोकल्पतरु, बलिसमभयेबहुरूपिन
कोज्यैबेको ॥ परमउदारडांड़लाखनकोभरिबे
को, दारूकेविशेषदामरातादिनप्यैबेको। खरची
कीतंगीहैदिवानजूकोदोयभांति, ईश्वरनिमित्त
औकवीश्वरकेदैबेको ७२ स्यारनकेशादीबकवा
दीश्वानसिकरन, गीधनकीगादीबैठिदेखकोकढ़
तहैं। होड़ाहोड़ीहाड़बोटीबोटीबांटलेहैंहम, ऐसे
कहेचील्हनकेमण्डपमढ़तहैं ॥ गाड़ेतेपरतशो
कसाड़ापरेपांयनमें, सभामेंधसतदुरगन्धसोंम
ढ़तहैं। जीवजन्तुजोरजहांतहांकरैंशोरसब, सा
हिबकेघोड़ाआजबाहिरकढ़तहैं ७३ ॥ सवैया ॥
सूरजकेरथलागेरहो याकेआगेभयोकंईबेरकन्है

या। लोमशकेलरिकाईकेखेलको भूलिगयोज
गकोउपजैया॥ ऐसोतुरंगमँगायकेभूपति दानको
काढ़ोदरिद्रकोछैया। भुण्डनकागलगेफिरैंसंगम
नोयहकागभुशुण्डिकेभैया ७४॥ कवित्त॥ काग
नकोभागअनुरागसबगीधनके, चाहिअँगअंग
नमेंस्यारनसतायोहै। पूरोक्रमपुञ्जसोंकलेवरक
लितजाको, जुरिदशपांचयोधाजोमसोंउठायो
है॥ कहैमिथिलेशलागेअनुजभुशुण्डिकेसो,
लोहूकोनलेशबेशविधिनाबनायोहै। दीरघदिन
नकोसुजाहिरदिशानमांझ, ऐसोबरबाजकबिरा
जकोबतायोहै ७५ घोड़ातोपैकाकोकहुजाहीको
मैंचाकरहौं, काकोकहुचाकरतूजाकोयहघोड़ा
है। नामक्योंनलेतकाहेतूहीक्योंनपूछेजाय, दे
दिखायदेखहीतेपरेआंखफोड़ाहै॥ एकदिनाना
मलयोअन्नआधीरातमिल्यो, सोभीगिरयो श्वा
नखायोनिपटनिहोड़ाहै। नामतोदिवानजूकोल

येकईवर्षभये, सुनेनामकाननमेंपरोजातखोड़ा है ७६ ॥ सवैया ॥ ईंटकोबन्धननीमकोचन्दननीचेकोनन्दनबामकोघूसा। मातेकीगानडफालीकीतान औगूंगाकोज्ञानकपूतकोरूसा ॥ रंककीरीभऔमौजीकीखीभ अजानकीप्रीतिजुआरकोचूसा। राजकोदूसरोछेरीकोतीसरोरेंड़कोमूसरोखासरखूसा ७७ कादरताजलौंभिक्षुकलाजलौंबीनअवाजलौंलाबरलेवा। पूसकेमासमेंफूसकोतापनो भूतकोजापनोभांभरीखेवा ॥ हैं भगवन्तइतेनहिंकामके रामकेनामकेहोहिंनलेवा। साधुकोलूटनोधर्मकोछूटनोधूमकोघोटनोसूमकीसेवा ७८ पापकीसिद्धिसदाऋणबृद्धिसुकीरतिआपनीआपकहीकी। दुःखकोदानजुसूतकन्हान औदासीकीसंततिसंततफीकी ॥ बेटीकेभोजनभूषणडांड़को केशवप्रीतिसदापरतीकी। युद्धमेंलाजदयाअरिकेअरुब्राह्मणजातिते

जीतिननीकी ७९ पातकहानिपितासँगहारिबो गर्भकेशूलननतेडरियेजू। तालनकोबँधबन्धधरोर को नाथकेसाथचिताजरियेजू ॥ पत्रफटैऔकटै ऋणकेशवकैसहूतीरथमेंमरियेजू। नीकीसदास सुरारिकीगारिसुडांड़भलोजुगयाभरियेजू ८० ॥ घाघ ॥ बनियकसखरजठकुरकहीन । बैदकपूत ब्याधिनहिंचीन्ह ॥ पण्डितचुप २ बेश्यामइल । कहेघाघपांचोघरगइल ८१ ॥ सवैया ॥ पुण्यको पापसदासमुझैअरुपापकोपुण्यगनैसबकालमें। जानसोंराखैहियेरिपुता औअजानसोंप्रीतिबकैब हुगालमें॥ कारेकुरूपकुनामिनकोभरियामिनिहा जिरराखैनिरालमें । शीलकोलेशनआदरकोपर भूलेरहैमनमेंकिभुवालमें ८२ कागसोंकानलिये ईरहैयुगमित्रनमेंकरैहांकिबिछोहा । भेदकेकाज कितेकुटनानकोसाजेरहैसबलेनकोजोहा ॥ लाल चदैभरमायेरहैचिकनीबतियानकैराखतमोहा ।

नातकोजाननदेतनगीचरहैपरघातमें नित्यपचो
हा ८३ हैंजितनेकलहीकपटीअरुक्रोधीकुनामी
कुमारगीभारी । चौकनचूगुलीखोरचुहेड़ाचवाई
चलांकरुलाबरबारी ॥ भावतहैंजनएतेभुवाल
कोपासनजायसकैनिजनारी । छोकरेबारहपांच
केभीतरघेररहैंफरमाबरदारी ८४ ॥ कवित्त ॥
देवतातेसुरऔअसुरकहैदानवते, दाईकोसुधाय
दालपैतियेलहतहैं । दर्पनतेमुकुरऔदाखतेमुन
क्काकहै, दासतेखवासकहिकहिनिबहतहैं ॥ दे
वीसोंभवानीऔरदेहरासोंकहैमठ, रैनिदिनघा
सीरामयाहीतोचहतहैं । दानासोंचबेनात्योंहीं
दीपसोंचिरागकहै, देयबेकेडरतेसोदानानाकहत
हैं ८५ लक्षनपुरीकेसबलक्षनाबिलोकियत, अक्ष
नमेंओटदैबिलक्षनहँस्योकरैं । कोटिकुलटाकेभा
वराजतछटाकेगुण, शीलअंगनाकेअंगनाकेस
रस्योकरैं ॥ बसैबड़ेगांवबीचचुगलजनानातौन,

बिहँसिबिहँसिमनमानेबिहँस्योकरैं। हासनाक
रतबड़ीत्रासनाकरतप्रीति, शासनाकेमाहँजौन
आसनाकख्योकरैं ८६ ऊंचीचोलीचिक्कमिस्सी
दांतनमेंबातनमें, बारबारहेरिहेरिमनमुसुकाने
हैं। मुखकेनदरशपरशमरदुमिनके, लैरहैंमुकुर
औअतरअंगसानेहैं। बेनीकबिकहैबनेठनेरहैं
आठोयाम, निपटनकामकहूंकाहूकेनमानेहैं॥
अशयकेखानेजिनकबिनबखानेजिन, ऐसेपैन्हे
बानेतेजनानेसमजानेहैं ८७ महामिहींजामापा
यजामागुलबदनका, चीराचारुबान्हेतुराजरीके
निसारेहैं। तकियालगायबैठे हुक्कापेचवान
पीयें, खिज्मतगुजारिनतेकरतइसारेहैं॥ बेनी
कबिकहैआहिऊहिमेंप्रबीणबड़े, धरमनचीन्हें
लाजशरमबिसारेहैं। खायबेशखानेआयबैठें
खसखानेऐसे, लाखहूजनानेलखनऊमेंनिहारे
हैं ८८ सूमपातिनीसोंकहै सुनुसपने की बात,

अकथकहानीरातबरवसहारोतो। चानीमेंखरो
तोजिमीगाड़केधरोतोताहि, मनमेंबिचारिखोदि
हाथकेनिकारोतो॥ कहैकबिरामकबिआयोइक
ताहीसमै, कबितपढ़ोतोहौंतोदीबोअनुसारोतो।
होतोकुलदागबड़ेजेठनकेभागअरे, जागनापरो
तोमैंरुपैयादयडारोतो ८९ दाताघरहोतीतोक
दरतेरीजानीजाती, आईहैभलेघरबधाईबजवा
वरी। खानेतहखाननमेंआनिकेबसेरोलेहु, हो
हुनउदासचितचौगुनोबढ़ावरी॥ खैहौंनाखियै
हौंमरिजैहौंतौसिखायजैहौं यहीपूतनातिनको
आपनोसुभावरी। दमरीनदैहौंकबौंजानेमेंभि
खारिनको,सूमकहैसंपतिसोंबैठीगीतगावरी ९०
आजकालपरसोंघरीपलबरसजाको, औधकेन
आशऋषिलोमशलहतहैं। सनमुखभिक्षुकबि
लोकिबिवरणहोत, हाथजोरिशीशनायपांयनप
रतहैं॥ स्वादहीनसुन्दरइँद्वारनकेफलऐसे, बने

ठनेरहैंपैनकबिसरहतहैं । सूमनकेसरिताबिलो
किअवगाहियत,देतशठनाहींअरुनाहींनाकहत
हैं ६१ अगनबचाये शुभचारोमननायेअरु,
उक्तउपजायकैबिसारोनामहरिका । लोभकेअ
जानमेंसयानसबभूलिगये, कीबेपरेऐसईअधम
ऐसेअरिका ॥ कहैंकबिलोगहमदानकीकहांलौं
कहैं, मांगेसेनदियोजायजासोंद्वैकखरिका । सूम
केकबित्तकरिमनमेंगलानिहोत, परैपछतायबो
छिनारकैसेलरिका ६२ ॥ सवैया ॥ जलपीवैतो
पीवैनखावैकछूजेहिचित्तनहींअभिलाखिबेहै ।
बरबित्तकीबातैंकछूनाकरै मनहूंतेकछूनहींभाखि
बेहै ॥ नितनित्तकबित्तकहैयशके जेहिप्रेमसुधा
रसचाखिबेहै । कहूंकोऊजोऐसोमिलैकबिएक
सुतोहमहूंकहँराखिबेहै ६३ ॥ कवित्त ॥ काहू
एकदासेकहूंसाहिबके आसेमेंकितेकदिनबीते
रीतेसबभांतिभलहै । व्यथाजोबिनैतेकरैउतरय

हैसोलहै, सेवाफलहैहीरहैयामेंनहींचलहै ॥
एकदिनहासहितआयोंप्रभुपासतन, राखोन
पुरानोबासकोऊएकथलहै । करतप्रणामसोबि
हँसिबोलेयहकहा, कह्योकरजोरियहसेवाहीको
फलहै ६४ ईशकेभजन में न भूसुरकेतनमेंन,
रंकधाम अनमेंकहूंनबृन्दाबनमें । ज्ञातिगुरु
जनमेंनधोखेपितृगनमें, नउठेकबितनमेंनवेद
उचरनमें ॥ कहैकबिरामतेबसतप्रेततनमेंबि
चारिदेखोछनमेंदयानजाकेतनमें । कहापरगन
मेंबनायधनीगनमेंन, लागेहरिजनमेंतोथूकऐसे
धनमें ६५ बानेमरदानेकेहेरानेहैंनहेरेमिलें,
चेरेमिलेकामकेजनानेसेबदरहै । तानेजेतनतते
ऊचलतउतानेताकि, तबहूंबिकानेपैलड़ावतस
दरहै॥युगलकिशोरऐनकानुनकदरपावें, वेदऔ
पुराणनकोनेकनाअदरहै । बदरबुराईकेभलाई
केभगाईभाईअबकेजमानेमेंनदानेकीकदरहै ६६

दंभीदगाबाजिनकीबाढ़ीहैअधिकथाप, ज्ञान ध्यानधारिनकीबातबेप्रमानाहै । पूछतनकोऊ कविकोबिदप्रबीणनको, नकलीहरामिनकोहा जिरखजानाहै ॥ ठाकुरकहतकलिकालकोप्रभाव देखो, झूठीबातकहिकहिजनमसिरानाहै । बड़े बड़ेसूबातेऊजातपापडूबायह, देखिजियऊबा की अजूबाकारखानाहै ६७ राजनकीनीतिगई मीतनकीप्रीतिगई, नारिनप्रतीतिगईजारजिय भायोहै । शिष्यनकोभावगयोपंचनकोन्याव गयो, सांचकोप्रभावगयोझूठहिसोहायोहै ॥ मेघनकीवृष्टिगईभूमिसुतोनष्टभई, सृष्टिपैसक लबिपरीतिदरशायोहै । कीजियेसहायहेकृपाक रगोबिन्दलाल, कठिनकरालकलिकालबनिआ योहै ६८ देखेगनिकाकेमनकाकेनअनन्दहोत, सन्तद्विजदेखेमनआगसीलगतहै । निन्दकन कलवालेसालेसालओढ़बैठें, पण्डितपुरानसब

ठारेमेंठरतहैं ॥ कहैकबितोषजगताहीकोसपूत
कहै, छलबलकरिपरसंपतिहरतहैं। भलेअनभ
लेअनभलेभलेठहरात,कलिकेकुचालकछुजानि
नापरतहैं ९९ बेदकेपढ़ैयाकोअढ़ैयाकोनयोगला
गै, आल्हाकेगवैयाकोरुपैयारोजखानोहै॥ होती
क्योंनहोतीगरेपोतीकुलनारिनको, हारवारनारि
नकोबसनखजानोहै॥ माखनकहतगुड़पैसाकोप
सेरीभर, पैसहीकोपैसाभरमाहुरबिकानोहै। यारो
गुणमानोऔरगुणकोनदोषदेहु, गुणनाहेरानो
गुणगाहकहेरानोहै १०० ॥ सवैया ॥ बापददाको
जुशीलनराखतदुर्जनसोंनहिंदापदपेटा। सज्जन
सोंनहिंशीलनिबाहतयाचकसोंनहिंप्रेमलपेटा॥
द्वारखड़ेतिन्हैंबातनपूछत भीतरपांवपसारिकैले
टा। विप्रप्रसादबिचारिकहैबरुडूबिमरेकुलबोरन
बेटा १०१ गर्जपरेतेकरैंबहुअर्जपरैंपुनिधायकेपां
इनमें । जीमेंदयानहयाहियमेंहठिदेतदगायेकु

दाइनमें ॥ रामनऐसीकठोरकहूंहमदेखीहैजाइ
कसाइनमें । हैंबनियाबनियायेकेसाथीनभूलि
योबातमिठाइनमें १०२ चींटीलगीचहुंपांयनमें
अरुमाछीलगीऔमछेवलगैयां । ऊपरकाकक
लोलैकरैंचिल्हियाचिंचियातफिरैंचहुंठैयां ॥ श्वा
ननघातलगायेरहैं अरुगीधसियारकीसिद्धरोसै
यां । घूमतघोड़फिरैकबिदानकेनाकबिलेतनले
तगोसैयां १०३ सांपसुशीलदयायुतनाहर का
कपावित्रऔसांचोजुआरी । पावकशीतलपाहन
कोमलरैनिअमावसकीउजियारी ॥ कायरधीर
सतीगणिका मतवारोकहामतवारोअनारी ।
मोतियरामबिचारिकहैनहिंदेखीसुनी नरनाहकी
यारी १०४ कानितजैंअपनेकुलकीतुरफैनसों
लीबेकोसानचलावैं । एककोदेतदिलाशाप्रसन्न
ह्वै एकसोंमोटरीलैघरआवैं ॥ हैंपरमेश्वरपंचन
मेंपरनेकनहींतिनकोउरलावैं । नर्कपरैंतिनकेपु

रिखाजे प्रपंचकरैंअरुपंचकहावैं १०५ पण्डित
पण्डितसोंखलमण्डित शायरशायरसोंसुखमा
ने। संतहिसंतभनंतभले गुणवंतहिकोगुणवंत
बखाने॥ जाकहंजापहँहेतनहींकहियेसुकहाति
नकीगतिजाने। शूरकोशूरसतीकोसती अरुदा
सयतीकोयतीपहिंचाने १०६ नीतिबुझायोसु
झायोसुप्रीतिकै नेकनहींतिनकोसनमाने। हा
निऔलाभकोबूझैनहीं मनदीनेमिजाजबितान
कोताने॥ सांचकह्योगिरिधारनजू करतव्यकहा
सोनहींपहिंचाने। केतोउपायकरोधरिचायपै
मूरखदण्डबिनानहिंमाने १०७ मारनकेपनके
यदुरायरहे इतआवनआपुकहाई। जामेंबढ़े
कुलकानिनहीं हमयोंगुनिरोकेतिन्हैंसमुझाई॥
सोउपकारगयोसिगरो अरुऔरहूगारीदईमन
भाई। मूरखकेमधिमेंपरिबोगिरिधारनहैगुरुमू
रखताई १०८॥ कवित्त॥ देनकह्योघोराताहि

अबहींतूमांगतहै, अबहींतोघोराजबघोरीसों लगाइये। तबजायजनिहैमहीनादशबारहमें, यतनअनेकजगदीशजोजिवाइये॥ पाछेदूध प्यायपालिपोसिकेखवायवाय, मुहँदैलगामअ सवारीकोसिखाइये। आपुचढ़िबेटाचढ़ितिनहूं केनातीचढ़ि, तबजायतोहिंकहूंघाइयेतोघा इये १०९ धर्मकेनकर्मकेकुकर्मिनकेमूलमूढ़, महामतिमन्दरहैंविषमसमीरके। हेमकहैहित केनपितुकेनामित्रनके, चित्तकेमलीनहैंअधीन दलगीरके॥ बानीबेदवानकेनकलमाकुरान केन, रामरहमानकेनअयशीगंभीरके। बिप्रके नईशकेनपण्डितकबीशकेसो, बाजे २ बेशहूर गुरुकेनपीरके ११० कृपणकंजूसबड़ेगुणकेम जूसजेर, देहैकननूसराखेनियतभिखारीमें। दानकोनजानेसनमानकोनआनेगुण, मानको नमानेरहैंशिश्नबरदारीमें॥ ठाकुरकहतभली

बुरीकोनशोचैंनेक, रातदिनदासचित्तराखेमारा मारीमें। राजीनासिपाहश्रौनजंगकीउमाह जिन्हैं, जसकोनचाहऐसीथूकसरदारीमें १११ शौकशेरमारिबेकोसभामेंसुनावैसदा, स्यारहून मार्‍योकहूंभारीकीभरीनको। हाथमेंनजाके जोरसेरकेउठायबेको, जिह्वातेउठायोकरैंपुंजशि खरीनको॥ ग्वालकविकहैश्रीयुधिष्ठिरसोसांचो बनै, देतसबहीकोदामयामश्रौघरीनको। बाजे बाजेभूपऐसेवेशरमहोयजात, राखलेतहाथीचा रोडारताचिरीनको ११२ कुटिलकुढंगीहैकुरंगी हैकुश्रंगीरूप, कायरकपूतपूतकुमतिकुसंगीहै। कंकीहैकलंकीबहुपापिनमेंलंकीयह, खलहैखले सीबैनबोलतदुरंगीहै॥ भनैभुवनेशभेसभूतसों दिखातयाको, मंगीहैमलीनभर्मभूतलमेंदंगी है। भंगीहैश्रनंगीहैश्ररंगीहैनरंगीबुद्धि, दंगीद गाबाजहैतरंगीदेहतंगीहै ११३॥ सवैया॥ डार

पैआयकैदेखेकहातौविराजरहेतहांभैरोकेवाहन।
भीतरजायसभाकेलखेतो सरासरसोहतशंभुके
वाहन ॥ पाससलाहकरैयालगेरहैंकानहमेश
गनेशकेवाहन । देवीकेवाहनजानिकेत्र्प्रायेहैं
गादीपैदेखेतोशीतलावाहन ११४ ॥ कवित्त ॥
दूधकोकहतक्षीरदूबकोसुघासकहै, दाड़्यूंकोत्र्प्र
नारनामधरिकेरहतहैं । दर्पणकोत्र्प्रारसीत्यों
दलकोकहतपत्र, दूनीकोजहानकहिसुखकोलह
तहैं ॥ बल्लभदकारकहूंकानपरेवाकेकबूं, छोड़ि
केमकानह्वांतेभागनचहतहैं। दाईहूकोताईताई
कहिकेपुकारैंत्र्प्रौर देयबेकेडरतेवेददानाकहत
हैं ११५ तीयनपैढूकैंत्र्प्रौत्र्प्रथाईबैठिनूकैंभूखैं,
मानुषपैभूकैंकरैंचाकरपौखिस्स । दर्पणनिहारैं
पागपेंचनसँवारैंदृग, अंजनलगावैंनित्तमलैंदां
तमिस्स ॥ मांगेजवपापतोऊमरिजायबाप
वाको, देतनहींदमरीत्र्प्रौरकाढ़देतखिस्स। मस्न

दबिछायबैठैंहुक्कासुलगायआछे, डीलदारगु
म्बजअवाजदाराफिस्स ११६ देखतकेमोटेभाल
चन्दनखरोटेबने, बैसकेअधोटेकुलउत्तमकेजा
येहैं । ओढ़तदुशालामालमुँदरीदिखावैंमूढ़,
करतकजाकीकामकहोकाकेआयेहैं ॥ कहैसीवा
रामसूधेतातकीनबूझैंबात, पूछेतेनबोलैंमानो
हलाहलखायेहैं । रुदतीविलोकिहैबिसूरतिया
भारतमें, सूरतहरामरामकाहेकोबनायेहैं ११७
सत्यतेप्रतीतिहोयजाकीसबदेशनमें, सत्यतेसं
चाईऔरसत्यतेभलाईहै । सत्यहीसोंसुखपावै
यशऔधरमबढ़ै, सत्यहीतेलेवादेवासत्यतेबड़ा
ईहै ॥ साधूलालकहेहोयआदरबहुतयाते, मुक्ति
होतअन्तमाहिंपुण्यफलदाईहै । सत्यबिनामा
नुषकेदरजारहतनाहिं, यातेचतुराननसोसत्य
उपजाईहै ११८ जारपरेजोरजातजर्वपरभूमि
जात, भूमिजातजोबनअनंगरसरसहै। गढ़ढहि

जातगरुवाईऔगरबजात, जातसुखसाहिबींस
मूहसरबसहै ॥ कहेहेमनाथधनसम्पातिविपति
जात, जातदुखदारिददरुनदरबसहै। बागकटि
जातकुआंतालपटिजातनदी, नदघटिजातपैन
जातजगजसहै ॥ ११९ ॥

इति श्रीविचित्रोपदेशस्यप्रथमखण्डःसमाप्तिमगात् ॥